5. मुद्राराक्षसम् नाटक के नामकरण पर टिप्पणी कीजिए।

6. 'कामार्ताः हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. नाटक की **पाँच** सन्धियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. कालिदास के कालविषयक मतों का उल्लेख करते हुए गुप्तकालीन मत की समीक्षा कीजिए।

9. मृच्छकटिकम् नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :
   (i) विषमा इन्द्रियचौरा हरन्ति चिरसंचितं धर्मम्
   (ii) छिद्रेष्वनर्था बहुली भवन्ति
   (iii) सर्वत्रार्जवं शोभते
   (iv) गुणेषु यत्नः पुरुषेण कार्यः

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'मेघे माघे गतं वयः' मेघदूतम् के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए।

11. गीतिकाव्य किसे कहते हैं ? गीतिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. मृच्छकटिकम् के आधार पर चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

MASA–02

June – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(ललित साहित्य एवं नाटक)

Paper : MASA-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) श्रव्यकाव्य किसे कहते हैं ?
   (ii) ऋतुसंहार काव्य की कौनसी विधा है ? इसमें किन ऋतुओं का वर्णन हैं ?
   (iii) गीतिकाव्य के मुख्य भेदों के नाम लिखिए।
   (iv) व्यभिचारी भाव कितने होते हैं ?

(v) शान्त रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए।

(vi) मेघदूतम् का जर्मन अनुवाद किस विद्वान द्वारा तथा कब किया गया ?

(vii) मृच्छकटिकम् के पंचम अंक का क्या नाम है ?

(viii) भर्तृहरि के शतकत्रय कौनसे हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

(अ) जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां
जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरूपं मघोनः।
तेनार्थित्वं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं
याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा॥

अथवा

(ब) रत्नच्छायाव्यतिकर इव प्रेक्ष्यमेतत्पुरस्तात्
वल्मीकाग्रात् प्रभवति धनुः खण्डमाखण्डलस्य।
श्येन श्यामं वपुरतितरां कान्तिमापत्स्यते ते
बर्हेणेव स्फुरितरुचिना गोपवेषस्य विष्णोः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) राज्ञां चूड़ामणीन्दु द्युतिखचितशिखे मूर्ध्नि विन्यस्तपादः
स्वैरेवोत्पाद्यमानं किमिति विषहते मौर्य आज्ञाविघातम्।
कौटिल्यः कोपनोऽपि स्वयमभिचरणज्ञातदुःखप्रतिज्ञो
दैवावर्णप्रतिज्ञः पुनरपि न करोत्यायतिग्लानिभीतः॥

अथवा

(ब) कर्णेनेव विषानैङ्गकपुरूषव्यापादिनी रक्षिता
हन्तुं शक्तिरिवार्जुनं बलवती या चन्द्रगुप्तं मया।
सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहतकसयात्यन्तिकश्रेयसे
हैडिम्बेयमिवेत्य पर्वतनृपं तद्वध्यतेवावधीत्॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) सत्यं न मे विभवनाशकृतास्ति चिन्ता
भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।
एतत्तु मां दहति, नष्टधनाश्रयस्य
यत् सौहृदादपि जनाः शिथिलीभवन्ति॥

अथवा

(ब) शून्यैर्गृहैः खलु समाः पुरुषा दरिद्राः
कूपैश्च तोयरहितैस्तरुभिश्च शीर्णैः।
यददृष्टपूर्वजनसंगमविस्मृताना-
मेवं भवन्ति विफलाः परितोषकालाः॥